आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव' | मूल्य » 5 | वर्ष » 13 | अंक » 153 | मुद्रण तारीख » 1 सितम्बर 2024 | कुल पृष्ठ » 20

ठहरी सी जिंदगी फिर हुई गतिमान

2700 से अधिक दिव्यांग कृत्रिम अंग से लाभान्वित

17 सितम्बर से
2 अक्टूबर, 2024

श्राद्ध पक्ष

अपने दिवंगत प्रियजनों को प्रसन्न करने का पावन अवसर

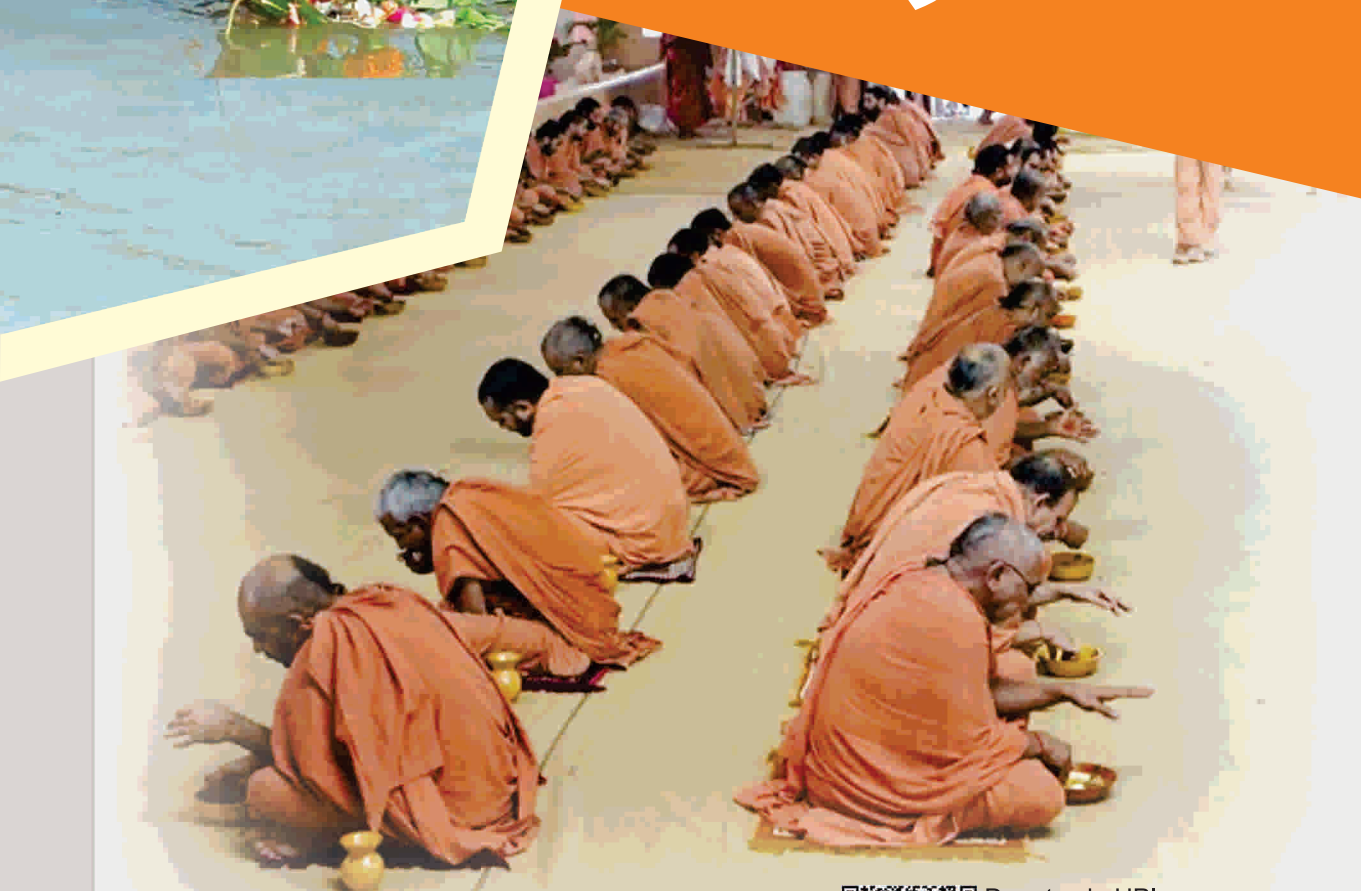

सप्तदिवसीय भागवत मूलपाठ, श्राद्ध तिथि तर्पण व ब्राह्मण भोजन सेवा ₹21000

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं |
सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं |

सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं |
सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं |

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 153 मुद्रण तारीख » 1 सितम्बर 2024 कुल पृष्ठ » 20

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

07

08

09

10

15

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 September, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं |
सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं | सेवा को आदत बनाएं |

दुःख में ही सुख की बयार

संसार में ऐसे बहुत से लोग हैं जो मुश्किल हालातों में निराश हो जाते हैं या उन्हें नियती मानकर स्वीकार कर लेते हैं। दरअसल सुख-दुःख जीवन यात्रा का ही हिस्सा हैं, जिससे सभी को गुजरना पड़ता है। दुःख के बिना सुख और असफलता के बिना सफलता का अनुभव नहीं किया जा सकता। मुश्किलें और दुःख ही तो मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। सोना अग्नि में तप कर ही निखरता है। दुःख, असफलता, अभाव और कठिनाइयों के आगे जिसने समर्पण कर दिया मानों वह जिंदगी ही हार गया। जीवन को आनंद से जीने के लिए चुनौतियां भी जरूरी हैं।

'सेवक'
प्रशांत भैया
अध्यक्ष

यदि मनुष्य भी हालातों से घबराने लगे तो जिस उद्देश्य के लिए उनका जन्म हुआ है, उसे कब और कैसे पूरा कर पाएंगे ? हमें उन लोगों से सीखने की जरूरत है जो असामान्य हैं। साहित्य, कला खेल एवं विविध क्षेत्रों में कई दिव्यांग प्रतिभाओं ने अपने हौंसले और साहस के जो शिलालेख कायम किए हैं, वे हमारे लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जिन्होंने चुनौतियों को हराकर कई कीर्तिमान अपने नाम किए हैं।

इसी वर्ष मार्च के अंतिम सप्ताह में एक पांव वाले सारण (बिहार) निवासी एक युवक ने हजारों फीट ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराकर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। उदय कुमार नाम के 91 फीसदी दिव्यांग इस युवक ने एक पैर के सहारे कंचनजंघा नेशनल पार्क (सिक्किम) के रेनाक पहाड़ की 16,500 फीट ऊंची चोटी पर चढ़ाई की। इस चोटी पर चढ़ने वाले वे संभवतः पहले व्यक्ति हैं।

दिव्यांग देविका मलिक पैरा-एथलीटिक्स स्पर्धाओं में अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। देविका के जीवन में कठिनाइयों का दौर जन्म से शुरू हो गया था। वह एक प्री -मैच्योर बेबी के रूप में पैदा हुई और बाद में पोलियो रोग से पीड़ित हो गई। जब चलना सीखा तो घर के बाहर खेलते मोटरसाइकिल से टकरा गई। मस्तिष्क का दाहिना हिस्सा लगभग लकवाग्रस्त हो गया। फिजियोथैरेपी मिलने से उनके शरीर का बायां हिस्सा 50 से 60 प्रतिशत तक सक्रिय हो पाया।

मां दीपा मलिक भी दिव्यांग है। जिन्होंने भी पैरा गेम्स में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक अपने नाम करने के साथ ही पेरालम्पिक कमेटी ऑफ इंडिया की अध्यक्ष भी रही हैं। जयपुर के देवेंद्र झांझरिया एक हादसे में अपना एक हाथ गंवा बैठे, बावजूद इसके उन्होंने पैरालंपिक में भाला फेंक स्वर्ण पदक हासिल किया।

अभी कुछ ही दिनों पूर्व खेलो इंडिया एनटीपीसी रैंकिंग आर्चरी मीट में सक्षम खिलाड़ियों के बीच भी एशियन गेम्स स्वर्ण पदक विजेता (दिव्यांग) तीरंदाज शीतल देवी ने रजत पदक जीता।

ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं। इन लोगों ने साबित किया कि इच्छा शक्ति, लगन और प्रतिभा की बदौलत सब कुछ हासिल किया जा सकता है। आपका और हमारा प्रयास यही है कि ऐसी प्रतिभाओं के लिए अवसर और संसाधन जुटाएं। आपके सहयोग से संस्थान इस दिशा में सतत प्रयत्नरत है। नारायण चिल्ड्रन एकेडमी और नारायण स्पोर्टस् अकादमी के माध्यम से गरीब, असहाय और दिव्यांग प्रतिभाओं को तराशने की दिशा में हो रहे कार्य के आप प्रत्यक्षदर्शी हैं। आपकी संवेदना और सहयोग ही इस कार्य की निरंतरता और सफलता को सुनिश्चित करेगा।

आत्मीयता ही मानवता

चरित्र निर्माण की पहली पाठशाला ही परिवार और प्रथम गुरू माता है। आध्यात्मिकता, मानवता, सेवा-समर्पण नैतिकता आदि का बीजारोपण संस्कारों की भूमि पर ही होकर पल्लवित होता है। यही परिवार है। चरित्र के बिना न जीवन का कोई अर्थ है और न ही व्यक्तित्व का। संस्कारिक व्यक्ति न केवल अपने कुल का नाम रोशन करता है,अपितु अपने आसपास के वातावरण को भी प्रभावित करता है। अतः हम क्यों न अपने जीवन को कुछ इस तरह ढालें कि मृत्योपरांत भी समाज की स्मृतियों में बने रहें। अतएव हमें प्राणी मात्र से प्रेम स्थापित करते हुए सेवा और सद्भावना के पथ का अनुगामी बनना चाहिए। दूसरों की पीड़ा को अपने में अहसास करते हुए उनकी मदद को तत्पर रहना चाहिए इससे परमात्मा तो प्रसन्न होंगे ही, हमें भी आत्म संतोष मिलेगा।

पूज्य
श्री कैलाश 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन

पुरी श्रीधाम के बड़े बाबाजी सिद्ध श्री राम चरण दास जी मात्र 10 -12 वर्ष की उम्र से ही सदैव परहित में संलग्न रहते थे। अपने पास जो कुछ भी होता उसे त्यागने में जरा भी संकोच नहीं करते थे। एक बार तेज धूप में छाता ओढ़े विद्यालय से घर लौट रहे थे कि एक वृद्ध सज्जन को पसीने से तरबतर धूप में जाते हुए देखा, उनके पास पहुंचकर छाता उन्हें दे दिया और स्वयं तपते हुए घर लौटे। जाड़े के दिन थे अपने सहपाठियों के साथ विद्यालय जाते हुए उन्होंने नंगे बदन एक गरीब को ठिठुरते हुए देखा तो प्रेम पूर्वक उसे अपना मूल्यवान शॉल ओढ़ा दिया। जब वे ठंड से कांपते स्वयं घर लौटे तो माँ कनक सुंदरी ने पूछा -'तुम्हारा शीतवस्त्र कहां है ?' बोले -माँ कहीं खो गया ? मूल्यवान शॉल खो देने से माँ दुःखी हुई। दूसरे दिन जब विद्यालय जाने के लिए सहपाठी रामचरण के घर पहुंच कर उन्हें पुकारने लगे तो रामचरण की मां बाहर आई और आगंतुक बालकों से बोली - 'जरा इसका ध्यान रखा करो, कल यह कीमती शॉल कहीं खो आया।' मित्र बोले - मांजी इसने कहीं खोया नहीं, एक ठिठुरते वृद्ध को दे दिया है। माँ प्रसन्न हो उठी हंस कर बोली-अच्छा। यह तो बहुत अच्छा किया। मां जगदंबा तुझे और दे देगी। माता और पुत्र के इस व्यवहार को देखकर सहपाठी भी अवाक् रह गए। जैसी करूणामयी माँ, वैसा ही दयामयी बेटा। एक बार रामचरण ने देखा कि एक वृद्ध बाजार से दाल-चावल आदि लेकर घर जाते मार्ग में हांफ रहे थे, वे उनके पास पहुंचे तो देखा कि उनका शरीर बुखार से तप रहा था। रामचरण ने उनके सामान का झोला अपने पीठ पर डाला और सहारा देकर उन्हें उनके घर छोड़ आए। इस दौरान इतना विलम्ब हो गया कि मां घर में दुखी होकर आंसू बहाने लगी। जब घर लौटे तो माता उनके देर से आने का कारण जानकर प्रसन्न हो गई।

आदर्शों के बिना मानव जीवन का कोई अर्थ नहीं जबकि यह जीवन अनेकानेक योनियों में भटकने और सत्कर्मों के कारण ही मिला है। यदि इसे सेवाओं और सत्संग में प्रवृत्त नहीं किया गया तो हम अपने उद्धार का एक अमूल्य अवसर खो बैठेंगे।

पितरों के प्रति श्रद्धा ही श्राद्ध

श्राद्ध में श्रद्धा और श्रम का भाव प्रमुख है। इसीलिए कहा गया है-' श्रमेण श्रद्धया दीयते अनेत यत्-तत् श्रद्धाम' अर्थात श्रद्धापूर्वक पितरों की तृप्ति के लिए विधिपूर्वक जो अर्पित किया जाए वही श्राद्ध है।

संतान का समूचा अस्तित्व माता-पिता से ही संभव हुआ है। उसकी प्रत्येक सांस माता-पिता की ऋणी है। अतः केवल जीवित माता-पिता की सेवा ही नहीं अपितु मृत पूर्वजों की उपासना कर पितृ ऋण से उऋण होना भी संतान का परम कर्तव्य है। इसका जो विधान है, वही श्राद्ध कहलाता है। भादपद्र शुक्ल पूर्णिमा (17 सितंबर) से लेकर आश्विन कृष्ण के 16 दिन (2 अक्टूबर तक) सनातन धार्मियों में पितरों के हैं। इस पखवाड़े में पितृलोक के द्वार खुल जाते हैं और पितृजन अपनी सन्तति को देखने व आशीष देने की लालसा से पृथ्वी लोक में विचरण करते हैं।

'वायुपुराण' के अनुसार श्राद्ध में ब्राह्मणों व गरीबों को परोसी और दान में दी जाने वाली वस्तुएं व जल-अर्पण पितरों को संतुष्ट व तृप्त करते हैं। ये वस्तुएं पितरों को उसी प्रकार ढूंढ लेती हैं जिस प्रकार बछड़ा अपनी माँ को। दानशीलता, परोपकार, श्रम और ममत्व का भाव ही श्राद्ध है। इसके निर्धारित अनुष्ठान को पूर्ण किया जाकर पितरों से घर-संसार में कुशलता का आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध परिवार की पीढ़ियों को एक सूत्र में बांधे रखने का कार्य सदियों से कर रहा है। श्राद्ध पक्ष गो, श्वान सहित चींटी जैसे सूक्ष्मतम जीवों के संरक्षण और जल अर्पण के माध्यम से नदी, सरोवर, वनस्पति के प्रति हमें अपने दायित्व के प्रति सजग भी करता है। जिससे हम पर्यावरण को शुद्ध रखते हुए भावी पीढ़ियों को भी स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण दे सकें। यदि संतान का हृदय अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा से भरापूरा होगा तो उनका आशीष तो मिलेगा ही, देवकुल की कृपा भी बनी रहेगी। अतएव श्राद्ध पक्ष में पितरों को पिंडदान-तर्पण परिवार में कुशलता सुनिश्चित करने वाला माना गया है।

क्षमा का महापर्व संवत्सरी

मैं कौन हूँ, कहां से आया और जगत में आने का प्रयोजन क्या है ? जड़ और चेतन में से किसे पकड़ना और छोड़ना मेरे हित में है ? आदि प्रश्नों के माध्यम से जैन समुदाय में जीवन-मरण का यथार्थ जानने का भरपूर प्रयास होता है, चातुर्मास में। इसी दौरान भाद्र मास की शुक्ल पंचमी को संवत्सरी पर्व पूर्ण आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

सात दिन त्याग,तपस्या,शास्त्र श्रवण व धर्म-आराधना के साथ मनाने के बाद आठवें दिन संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन साधु-साध्वी व श्रावक -श्राविकाएं अधिक से अधिक धर्म-ध्यान, त्याग, तपस्या करते हुए एक दूसरे से क्षमा मांगते और और क्षमा करते हुए मैत्रीभाव की और कदम बढ़ाते हैं। जैन समाज चातुर्मास प्रारंभ होने के 50वें दिन इस पर्व को मनाता है। चातुर्मास के प्रथम सात सप्ताहों में आंतरिक शुद्धि करते हुए 50वें दिन पूर्ण शुद्धि तक पहुंचने का प्रयास ही संवत्सरी है।

इस पर्व का एकमात्र उद्देश्य आत्मा का विकास है, जिसमें सभी लोग क्षमता अनुसार अपनी आत्मा को शुद्ध करते हैं। संवत्सरी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण संदेश है क्षमा करना तथा अपने प्रति यदि किसी ने कोई गलती की हो तो उसे माफ कर देना साथ ही अपनी ओर से किसी के प्रति दुर्व्यवहार हुआ हो तो उससे क्षमा याचना भी कर लेना। क्षमा देने के लिए जहां क्रोध का त्याग करना होता है वहीं क्षमा मांगने के लिए अहंकार का। कुल मिलाकर यह पर्व अहिंसा, प्रेम सहयोग, सद्भावना का त्योहार है जो अपने दैनन्दिन जीवन को ऐसा बनाने की प्रेरणा देता है कि व्यक्ति और समाज को सुख को शांति की सहज प्राप्ति हो सके।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आषाढ़ मास की एकादशी से देवउठनी एकादशी (17 जुलाई से 21 नवम्बर) तक सनातन परम्परा में भी सात्विक रूप से जीवन निर्वाह करते हुए संतजन के भजन-प्रवचन व सत्संग द्वारा आत्मशुद्धि का प्रयास होता है।

गुरुदेव का वन्दन–अभिनन्दन

संस्थान में 21 जुलाई को गुरू पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में संस्थान संस्थापक आचार्य महामण्डलेश्वर पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का अभिनन्दन किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए संस्थान सहयोगियों एवं संस्थान शाखाओं के प्रभारियों एवं सहसंस्थापिका गुरू माता श्रीमती कमला देवी जी के सानिध्य में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया, निदेशक - ट्रस्टी श्री जगदीश आर्य, श्री देवेन्द्र चौबीसा, श्री राजेन्द्र अग्रवाल व वरिष्ठ साधकों-ने उनका पाद- प्रक्षालन कर पूजन किया। आचार्य मडंल ने समवेत स्वरों से वैदिक मंत्रोच्चार किया व संगीत टीम ने गुरू वंदन गीतों की प्रस्तुति दी। सेवक प्रशांत भैया ने गुरूदेव जी की घर-घर से एक मुट्ठी आटा एकत्रित कर संस्थान स्थापना की 1980 के दशक की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके व गुरूमाता जी के प्रयासों से आज लाखों दिव्यांग अपने पांवों पर खड़े हो सके हैं। उन्होंने गुरू की महिमा को स्पष्ट करते हुए कहा कि वे ऐसे प्रकाश पुंज हैं, जो जीवन में सभी सन्देहों को समाप्त कर सार्थक मार्ग को प्रशस्त करते हैं।

इस अवसर गुरूदेव श्री मानव जी ने अपने माता-पिता व गुरू वृंद को नमन करते हुए कहा कि वेद रचयिता भगवान वेदव्यास जी की जयंती गुरूपर्व के रूप में हमें अज्ञानरूपी अंधकार से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त करती है। इस आयोजन का 'आस्था' चैनल से देशभर में प्रसारण किया गया। संयोजन अनिल आचार्य ने किया।

चहक उठी चिड़िया

छत्तीसगढ़ के भिलाई जिले के खमरिया-जुनवानी कस्बे में साढ़े तीन वर्ष पूर्व अलिजेबा खान का जन्म हुआ। बेटी के जन्म पर इस मुस्लिम परिवार में खुशी तो हुई लेकिन कुछ मिनट बाद काफूर भी हो गई। इस बच्ची के बाएं टखने के नीचे का हिस्सा था ही नहीं, दांए पैर में पंजा और बांए हाथ में हथेली भी नहीं थी। यह कोई रोग तो था नहीं जिसका जन्म के बाद इलाज हो सके फिर भी माता-पिता ने बावजूद गरीबी के इसे कई अस्पतालों में दिखाया लेकिन कहीं से भी संतोषप्रद आश्वासन नहीं मिला। किसी ने बनावटी हाथ-पांव की सलाह दी तो उसका खर्च ही इतना था कि परिवार के लिए उतना जुटाना भी बहुत मुश्किल था। वे मनमसोस कर रह गए और अलिजेबा के भविष्य की चुनौतियों की कल्पना कर बस रोते ही रहते। पिछले दिनों उनके किसी रिश्तेदार ने सोशल मीडिया पर नारायण सेवा संस्थान द्वारा कृत्रिम अंग (हाथ-पैर) व कैलिपर निःशुल्क दिए जाने की पोस्ट देखी तो उन्होंने तत्काल बच्ची के माता-पिता को सूचित किया। उन्होंने भी बिना समय गंवाए मई 2024 में संस्थान से संपर्क किया और निश्चित तारीख पर वे बच्ची को लेकर उदयपुर आए। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जांच कर बच्ची के लिए विशेष कृत्रिम पांव बनाकर फिट किए। अलिजेबा को उठते-बैठते और चलते देखकर माता-पिता की आंखों से झर-झर आंसू बह निकले। कृत्रिम हथेली भी उसे लगाई जाएगी। हर पल उदास रहने वाली यह बच्ची अब चिड़िया की तरह चहकती रहती है।

ठहरी सी जिंदगी फिर हुई गतिमान

2700 से अधिक दिव्यांग कृत्रिम अंग से लाभान्वित

दिव्यांगजन को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने एवं उनके सशक्तिकरण के लिए संस्थान द्वारा पिछले दिनों देश के चार बड़े नगरों में नारायण कृत्रिम अंग व कैलिपर माप तथा फिटमेंट शिविर आयोजित किए गए। जिनमें 2700 से अधिक दिव्यांग भाई-बहिन लाभान्वित हुए।

लखनऊ : 1100 दिव्यांगजन

लखनऊ में दिव्यांगजन की सहायतार्थ कृत्रिम अंग एवं कैलीपर माप शिविर 28 जुलाई को संपन्न हुआ। उद्घाटन राज्य के दिव्यांगजन सशक्तिकरण व पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र जी कश्यप ने किया। प्रारंभ में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि शिविर में आने वाले 60 फीसदी दिव्यांगों ने सड़क दुर्घटनाओं में अपने हाथ-पैर गंवा दिए। इनमें भी 20 प्रतिशत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे व 15 फीसदी महिलाएं हैं। शिविर में 1100 से अधिक दिव्यांगजन ने भाग लिया। जिनमें से 120 का चयन निःशुल्क शल्य चिकित्सा के लिए हुआ। करीब 362 दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ-पैर एवं 375 के कैलीपर बनाने के लिए संस्थान की ऑर्थोटिस्ट एवं प्रोस्थेटिस्ट टीम ने डॉ. बी. एल. शिन्दे व डॉ. अखिल भास्कर के निर्देशन में माप कार्य किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में मेयर श्रीमती सुषमा जी खरकवाल, विधायक श्री योगेश जी शुक्ला, पार्षद श्री सौरभ सिंह जी, समाजसेवी श्री गौरी शंकर जी गुप्ता, श्री छोटेलाल जी व गोरखा परिषद् के अध्यक्ष श्री गौरव सिंह जी मंचासीन थे। अध्यक्षता एमएलसी श्री रामचन्द्र जी प्रधान ने की। शिविर संचालन में निदेशक-ट्रस्टी श्री देवेंद्र जी चौबीसा, पीआरओ श्री भगवान प्रसाद जी गौड़, श्री अचल सिंह जी भाटी व श्री मनीष जी परिहार का मार्ग दर्शन रहा। संयोजन ऐश्वर्य त्रिवेदी ने किया।

जयपुर : 400 दिव्यांगजन

जयपुर में 11 अगस्त को आयोजित शिविर में 250 दिव्यांगों के लिए नारायण कृत्रिम लिंब व 70 के कैलिपर बनाने का माप लिया गया। शिविर में 400 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए। जिनमें से पोलियो व क्लब फुट सुधारात्मक सर्जरी के लिए 60 दिव्यांगजन का चयन भी हुआ। शिविर का उद्घाटन समाजसेवी श्री कन्हैया लाल जी श्यामसुखा, अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के श्री ध्रुवदास जी अग्रवाल, एन.के. गुप्ता जी , श्री राम प्रकाश जी वैद, श्री मनोहर लाल जी गुप्ता, श्री गोपाल जी गुप्ता, नॉर्मेट इंडिया के श्री जितेंद्र कुमार जी एवं संस्थान अध्यक्ष सेवक श्री प्रशांत भैया जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

श्री प्रशांत भैया जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि शिविर में जिन दिव्यांगों के माप लिए गए उनमें से 60 प्रतिशत ने सड़क हादसों में अपने हाथ-पांव खोए। उन्होंने शिविर के आयोजन में सहयोग के लिए नॉर्मेट इंडिया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जिन दिव्यागों के हाथ-पैर का माप लिया गया है उन्हें अगले माह जयपुर में ही शिविर आयोजित कर कृत्रिम अंग पहनाए जाएंगे। शिविर में दौसा, करौली, सीकर व अजमेर जिले के दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। शिविर में श्याम नगर विकास समिति, जयपुर विप्र फाऊंडेशन,निया जेम एंड ज्वेल्स, अग्रवाल समाज सेवा समिति, झोटवाड़ा अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, खंडेलवाल वैश्य विकास समिति, सोडाला माहेश्वरी समाज, मारवाड़ी महासभा, मानव सेवा संस्थान, सच्चा सुख,पहचान संस्थान, मानव सेवा, परमार्थ सेवा, जीवन अर्थ फाउंडेशन,अग्रवाल समाज समिति,मुखर्जी कॉलोनी विकास समिति, जन उपयोगी भवन, श्री खंडेलवाल वैश्य हितकारी सभा,सक्षम सामाजिक उत्थान एवं विकास संस्थान, बेटी बचाओ फाउन्डेशन सहित 25 से अधिक संगठनों ने भी सेवाएं दी। संयोजन महिम जैन ने किया।

कोयम्बटूर : 648 दिव्यांगजन

कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में 4 अगस्त को आयोजित नारायण आर्टिफिशियल लिंब फिटमेंट कैंप में 648 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ-पैर व कैलिपर लगाए गए। मुख्य अतिथि माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री गोपाल जी माहेश्वरी व विशिष्ट अतिथि राजस्थानी संघ के अध्यक्ष श्री गौतम जी श्रीमाल, समाजसेवी सर्वश्री वैंकटेश प्रसाद जी, कैलाश जी जैन, संतोष जी मूंदड़ा सीताराम जी , कमल किशोर जी अग्रवाल व अटल जी जायसवाल तथा संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया।

प्रशांत भैया जी ने अतिथियों का मेवाड़ की पाग व उपरणा पहिनाकर स्वागत किया। शिविर में 538 के कृत्रिम हाथ-पैर व 110 दिव्यांगों के कैलिपर लगाए गए। उल्लेखनीय है कि विगत 28 अप्रैल को कोयम्बटूर में ही शिविर लगाकर इनके कृत्रिम अंग व कैलिपर बनाने के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों व तकनीशियनों ने माप लिया था। पीआरओ भगवान प्रसाद गौड़ व प्रभारी हरि प्रसाद लढ्ढा ने अतिथियों को शिविर का अवलोकन कराया। संचालन ऐश्वर्य त्रिवेदी ने किया। शिविर में स्थानीय स्वयं सेवी संगठनों ने भी व्यवस्था में सहयोग किया।

लुधियाना : 614 दिव्यांगजन

अयाली कलां चौक लुधियाना (पंजाब) में गुरू पूर्णिमा 21 जुलाई को संपन्न नारायण लिम्ब एवं कैलिपर माप शिविर में 614 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए, जिनमें से 309 के 322 कृत्रिम हाथ-पैर व 111 के 145 केलीपर बनाने के लिए माप लिया गया। 12 दिव्यांगजन को व्हीलचेयर का वितरण हुआ। मुख्य अतिथि लुधियाना -पश्चिम के विधायक श्री गुरप्रीत सिंह गोगी थे। अध्यक्षता विधायक लुधियाना-उत्तर श्री कुलविंदर सिंह सिद्धू ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक श्री सुरेंद्र सिंह डबरा, ईस्टमैन ग्लोबल चेंबर के अध्यक्ष श्री जगदीश राय सिंगल, मारवाड़ी युवा संघ के अध्यक्ष श्री मनोहर सिंह व कृष्णा इंटरप्राइजेज के एमडी श्री अनिल गुप्ता थे। शिविर उद्घाटन के पश्चात संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्थान की निशुल्क सेवाओं पर प्रकाश डालते हुए आगामी 5 वर्ष की सेवा यात्रा की जानकारी दी। संस्थान के डॉ. मानस रंजन साहू व पीएंडओ टीम ने चयन प्रक्रिया पूर्ण की।

जब कि वरिष्ठ तकनीशियन श्री नाथू सिंह के मार्गदर्शन में ऑर्थोटिस्ट व प्रोस्टोटिस्ट टीम ने अंग मापन किया। लुधियाना आश्रम प्रभारी श्री मधुसूदन, शिविर समन्वयक श्री रोहित तिवारी व महागंगोत्री प्रभारी श्री रजत गौड़, श्री हरिप्रसाद लड्ढा, श्री अचल सिंह भाटी ने शिविर संचालन में सहयोग किया।

झीनी झीनी रोशनी 63

ट्रेन सुबह पांच बजे जवाई बांध पहुँच जाती थी। यहां से बीसलपुर 3 कि.मी. दूर था। स्टेशन पर तांगे मिल जाते थे मगर कभी-कभी इतनी सुबह तांगे भी नहीं आते, मजबूरन वे पैदल ही निकल जाते। तांगा किराया दो रू. लगता था। जब वे पैदल ही समय पूर्व बीसलपुर पहुँचने लगे तो बाद में तांगे उपलब्ध होने पर भी वह पैदल ही जाते और दो रू. बचा लेते।

बीसलपुर से आस-पास के गांव में सत्तू वितरण हेतु निकलने का समय सुबह 6 बजे का निश्चित था। कैलाश जी इसके पूर्व ही पहुँच जाते थे मगर कभी ट्रेन के लेट होने या अन्य कारणों से देरी हो जाती तो वह दौड़ कर पहुँचने का प्रयास करते। यह क्रम चलता रहा, हर रविवार को वे वहां पहुँच जाते और दीन-दुखियों में सत्तू आदि के वितरण में अपना योगदान कर प्रफुल्लित होते।

साल भर में उनकी नियुक्ति उदयपुर में ही स्थित अन्य कार्यालय में हो गयी। पहले वे नगर क्षेत्र में थे अब उनका स्थानान्तरण ग्रामीण क्षेत्र में हो गया जिसका कार्यालय अम्बामाता में था। हिरण मगरी से. 5 और अम्बामाता दोनों शहर के दो छोर थे। रोज सुबह-शाम साईकिल से इतनी दूरी तय करना अत्यन्त दुरूह कार्य था, साईकिल चलाते-चलाते वह थक जाते। कोई अन्य उपाय भी नहीं था। इस बीच वह अपने परिवार को भी उदयपुर ले आए। कुछ समय पश्चात हिरण मगरी सेक्टर 5 से अम्बामाता जाने हेतु लम्बे टेम्पो चलने लगे। कैलाश जी के लिये ये टेम्पों वरदान के रूप में उपस्थित हुए। उन दिनों होस्टल के छात्रों का बहुत आतंक था। छात्र टेम्पो में बैठ जाते और पैसे भी नहीं देते। इस कारण कई टेम्पो वाले उधर आने से कतराते भी थे। टेम्पो कभी मिलते, कभी नहीं मिलते। नहीं मिलते तो उनकी साईकिल तो थी ही। कुछ दिनों में यह समस्या समाप्त हो गई तो टेम्पो भी नियमित रूप से मिलने लगे।

यह वो समय था जब फोन स्वचलित नहीं थे। बड़े-बड़े शहरों में तो स्वचलित फोन थे जिन पर नम्बरों का डायल लगा होता था, कहीं भी टेलीफोन करने के लिये वांछित नम्बर डायल कर दो तो फोन मिल जाता था। उदयपुर में ऐसे फोन नहीं थे इसलिये टेलीफोन करने के लिये ऑपरेटर को वांछित नम्बर बताने पड़ते थे। टेलीफोन करने के लिये ज्यूं ही चोगा उठाते तो उधर से ऑपरेटर की आवाज आती- नम्बर प्लीज ! तब आसपास भी कहीं फोन करना होता तो ट्रंक काल बुक कराना पड़ता। शिकायत करने, किसी का नम्बर जानने वगैरह के अलग-अलग नम्बर निर्धारित थे। 198, 197, 180 ऐसे प्रमुख नम्बर थे जिनसे टेलीफोन उपभोक्ताओं का प्रतिदिन काम पड़ता था।

प्राकृतिक संतुलन के लिए वृक्ष महत्वपूर्ण

प्रधानमंत्री के अभियान एक पेड़ मां के नाम से प्रेरित पर्यावरण संरक्षण हेतु 'वृक्षारोपण अभियान-2024' के अन्तर्गत नारायण सेवा संस्थान की ओर से 7 जुलाई को सेवा महातीर्थ में विभिन्न प्रजातियों के 1100 पौधों का रोपण किया गया। मुख्य अतिथि देवस्थान आयुक्त श्री वासुदेव जी मालावत व सहायक आयुक्त श्री जतिन कुमार जी गांधी ने अशोक व बिल्व का पौधा लगाया।

संस्थान निदेशक श्रीमती वन्दना जी अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यदि प्रकृति को नष्ट करेंगे तो वह हमें भी नष्ट कर देगी। कार्यक्रम में संस्थान की नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के 550 बच्चों, साधकों, निःशुल्क सर्जरी के लिए विभिन्न राज्यों से आए दिव्यांगजन एवं उनके परिजनों ने भी पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी रोहित तिवारी, विष्णु शर्मा हितैषी, उमेश आचार्य, स्कूल प्रिंसिपल अर्चना गोवलकर, राकेश शर्मा, अनिल आचार्य ने भी पौध रोपण किया। संचालन एश्वर्य त्रिवेदी ने किया।

हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

संस्थान के सभी परिसरों में 15 अगस्त को 78वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। मानव मन्दिर प्रांगण में संस्थापक -चेयरमैन गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने संस्थान साधक-साधिकाओं को देश की एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। अंकुर कॉम्प्लेक्स पर संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया तथा माली कॉलोनी के निर्माणाधीन परिसर में सहसंस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी ने तिरंगा फहराया। सेवामहातीर्थ में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों ने देश भक्ति के गीतों एवं नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल थी। अध्यक्षता डॉ. बी. एल. शिंदे ने की। स्कूल प्राचार्य श्रीमती अर्चना जी गोवलकर ने अतिथियों का स्वागत एवं संचालन श्री अनिल जी आचार्य ने किया। विभिन्न राज्यों से निःशुल्क सर्जरी के लिए आए दिव्यांगजन एवं उनके परिजन भी उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन श्री राकेश जी शर्मा ने किया।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़,
बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर
भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं
पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344,
काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ाताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6,
ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा,
जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807,गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता
मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी
स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार
नियर मेरठ रोड
करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी,
अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़
बावन जिनालय मन्दिर के पास,
भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग
बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10,
सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी
बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट,
गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई 09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल
ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट
थाने, 401105

पूणे 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर
जोधपुर (राज) 342001

कोटा 07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5
तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक,
लश्कर,ग्वालियर 474001

तमिलनाडु

कोयंबटूर
7412060419,बी-32, साई
कृपा अपार्टमेंट, राजलक्ष्मी कॉलोनी,
टीवीएस नगर, कौंडमपलायम रोड, ईबी
कॉलोनी, कोयंबटूर (तमिलनाडु) 641025

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ.
केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी,
बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर
एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता
(पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज 09351230393,
म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज,
प्रयागराज -211003

मेरठ 08306004811, 38, श्री राम
पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ 09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम,
डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर
आलम बाग, लखनऊ

पंजाब

लुधियाना 07023101153
381/382, बी-17,
गुलाटी डांस क्लास के पास,
भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़ 7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर,
सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़-160047

आन्ध्र प्रदेश

विशाखापट्टनम
9257017593
45-40-9/2, ऊपर की मंजिल, एसवीएम
बेकरी के सामने, संगम ऑफिस के पास,
बस स्टॉप, अक्कयपालेम मेन रोड,
विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) 530016

गुजरात

सूरत 09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा 9529920081
म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे
स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड,
वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी 08588835718,
08588835719, बी-4/232
शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 07023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342
ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास
विकासपुरी 110018

असम

गुवाहाटी
9529920089,मकान नं. 07, भुबन भयं पथ,
सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने, चंद्रमुख
सत्रिया अकादमी के पास, पोस्ट-बामुनी मैदान,
कामरूप मेट्रो, गुवाहाटी (असम) 781009

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्दलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी
चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क
फिजियोथेरपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स
कॉलोनी,नियर पानी की टंकी
के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक
सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला
मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, बी-33,
शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर
के सामने, यूनिर्वसिटी रोड, राजकोट
360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल,
नियर पदमा सिटी माल, करनाल
रोड, कैथल

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी

असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने हेतु सादर आमंत्रण है।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी

» पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज

» चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है

» रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार-चिकित्सा दी जाएगी।
» आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था

सम्पर्क करे :
+91-294-6622222, 7023509999

Narayan Children Academy
A Unit of Narayan Seva Sansthan

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (अंग्रेजी माध्यम)

गरीब एवं आदिवासी बच्चों के जीवन में लाएं उजाला

एक बालक का
1 वर्ष का शिक्षा सहयोग ₹ **11,000**

एक बालक का
1 माह का शिक्षा सहयोग ₹ **1,100**

Donate via UPI

narayanseva@sbi

Seva Soubhagya Print Date 1 September, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-